मैथिली कथा साहित्य में पर्यावरण विमर्श पर संगोष्ठी

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 19 अक्टूबर। मैथिली कथा साहित्य में पर्यावरण विमर्श पर साहित्य अकादमी द्वारा गत मंगलवार को। वेबलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इनमें देश के विभिन्न गांव, शहर, महानगर आदि जगहों से वेब के माध्यम से विभिन्न विद्वानों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिए।

साहित्य अकादमी के उपसचिव डॉ. एन. सुरेश बाबु ने स्वागत भाषण से इनका उद्घाटन किया। विषय प्रवर्तन, मैथिली भाषा के साहित्य अकादेमी में संयोजक डॉ.अशोक कुमार झा अविचल द्वारा हुआ। बीज भाषण श्री कुमार मनीष अरविंद सदस्य मैथिली परामर्श मंडल साहित्य अकादेमी और इस प्रथम सत्र के अध्यक्षता मैथिली के प्रसिद्ध साहित्यकार प्रदीप बिहारी ने किए। इस सत्र में मैथिली कथा साहित्य में पर्यावरण पर विभिन्न विद्वानों द्वारा चर्चा हुआ।

दूसरा सत्र आलेख प्रस्तुति का सत्र था। इस सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात मैथिली लेखक श्री केदार कानन ने की। इनमें आलेख पाठ करने वाले में डॉ. रवीन्द्र कुमार चौधरी (मैथिली लोक कथा में पर्यावरण विमर्श), डॉ. सुरेन्द्र भारद्वाज (मैथिलीक प्रारंभिक कथामे पर्यावरण विमर्शक स्वरूप), डॉ. अनमोल झा (आधुनिक मैथिली कथा आ पर्यावरण विमर्श) और श्री नारायण झा (मैथिली बाल कथामे पर्यावरण विमर्श) पर अपनी अपनी सारगर्भित आलेख पाठ किया।